

| | |
|----------|----------|
| ₹78,280 | 10 ग्राम |
| ₹101,372 | 01 किलो |
| सेवेक्स | डॉलर |

80,065.16 +16.82 84.078 +0.002

ईकट्ठे ने हमारा विद्युत

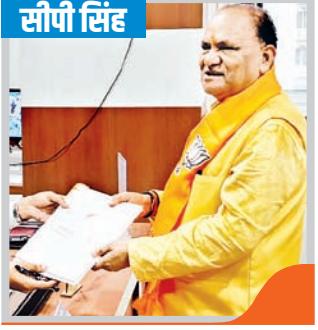
राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यनेव जयते



कार्तिक कृष्ण पक्ष 09, संवत् 2081 | रांची, श्रीगंगावा, 25 अक्टूबर 2024, वर्ष-25, अंक- 261, पृष्ठ-12 | ₹ 3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com | पेज-10 | न्यूज़लैंड 259 टन बनाकर छेर

दिग्जिट मैदान में: झारखण्ड के चुनावी महासभा में सभी दलों के महारथियों ने जनता दरबार में दी दस्तक



सियासी थक्कि प्रदर्शन का दिन, मुख्यमंत्री हेमंत सहित सौ से ज्यादा ने किया नामांकन तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित कई बड़े नेताओं का लगा रहा मजमा

नवीन मेल डेटक

रांची। झारखण्ड में गुरुवार का दिन राजनीतिक दलों और हस्तियों के शक्ति प्रदर्शन के नाम रहा। विभिन्न संघों पर 100 से ज्यादा सियासी हस्तियों ने चुनाव के लिए नामांकन के पर्चे दर्खिल किए। शहरों से लेकर कस्तों तक पूरे दिन रैलीयों और सभाओं का मिल-सिला जारी रहा। चार राज्यों का मुख्यमंत्री तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित कई बड़े नेताओं ने अपनी अपनी पार्टीयों और गठबंधों के उम्मीदवारों के पक्ष में लोगों से वोट मारे। जिन प्रमुख प्रत्याशियों ने नामांकन के पर्चे दर्खिल किए, उनमें झामुगी की ओर से साहिवांज जिले की बरहंट सोट से सीएम हेमंत सोरेन की तुलना में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन कई गुण धनवान हैं। चल और अचल संपत्तियों के मामले में कल्पना ने पिछले पांच साल में पति हेमंत सोरेन को काफी पीछे छोड़ दिया है। यह तथा गुरुवार को हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन की ओर से विधानसभा चुनाव में नामांकन के पर्चे के साथ निवार्ची पदाधिकारियों के समक्ष दर्खिल हलफनामों से सामने आया है। हेमंत सोरेन के पास नकद, जेवर और निवेश सहित दो करोड़ 59 लाख 29 हजार छह रुपये और 53 पैसे की चल संपत्ति है। इसके अलावा उनके पास दो करोड़ 83 लाख 72 हजार 364 रुपये की अचल



हेमंत से ज्यादा अमीर कल्पना



पांच साल में 12 गुण बढ़ी संपत्ति

संपत्ति भी है। वर्ष 2019 में उनके पास एक करोड़ 13 लाख 10 हजार 153 रुपये की चल संपत्ति और एक करोड़ 59 लाख 19 हजार रुपये की अचल संपत्ति थी।

शेष पेज 11 पर

सीएम का पलतवार

विपक्ष के प्रवासी मुख्यमंत्री चुनाव के बाद ढूँढने से भी नहीं भिलेंगे : हेमंत सोरेन

रांची। झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गुरुवार को संथाल परगाना प्रमंडल के बरहंट, बोरियों और लिट्टी-पांडा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर बेहद करारा हमला बोला। कहा, सीएम हेमंत सोरेन ने अपने पिता शिवु सोरेन के नाम पर झूटी कसमें खाली राज्य की जनता को ठगा है। पूरे देश में वह एकमात्र नेता है, जिन्होंने पिता का नाम लेकर झूट बोला। पिछले चुनाव में उन्होंने युवाओं को पांच लाख नीकरी देने, बरोजगारों को पांच से सात हजार रुपये बरोजगारों भाजपा पार्टी और केंद्र की सरकार पर आरोपी की बाँधा कर दी। उन्होंने कहा कि जब केंद्र से झारखण्ड का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये की मांग की तो झारखण्ड के आम लोगों की आवाज दबाने के लिए उन्हें जेल में डाल दिया गया। लेकिन, उन्हें पता नहीं है कि हम झारखण्डी हैं, जो अपना अधिकार लड़कर लेना जानते हैं। सोरेन ने गुरुवार को बरहंट सोट से नामांकन का पच्ची भारा और इसके बाद तीन सीटों पर जनसभाओं को संबोधित किया। इसके पहले पत्रकारों से बात करते हुए मिलेंगे। उन्होंने कहा कि असम के प्रवासी मुख्यमंत्री लिमत विस्तार समाजी नहीं नहीं, विपक्ष के सभी ताकतवर नेता यहां हैं। ये बौसमी पीछे हैं, ये कुछ दिनों के लिए आए हैं। तमाम प्रवासी मुख्यमंत्री चुनाव के बाद ढूँढने से नहीं भिलेंगे। चुनाव के बाद वो अपने काम में लगेंगे और हम अपने काम में लगेंगे। सोरेन ने कहा कि वह झारखण्ड विरोधी ताकतों और सांजिशकर्ताओं के समाने कभी नहीं छुके और न ही काफी झारखण्ड को छुकने देंगे।

शेष पेज 11 पर

सीएम ने पिता शिवू की कसम खाकर जनता को ठगा : हिमंता नवीन मेल संवाददाता

नवीन मेल संवाददाता



रांची। असम के सीएम और झारखण्ड चुनाव के सह प्रभारी हिमंत सोरेन के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर बेहद करारा हमला बोला। कहा, सीएम हेमंत सोरेन ने अपने पिता शिवु सोरेन के नाम पर झूटी कसमें खाली राज्य की जनता को ठगा है। पूरे देश में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा पार्टी और केंद्र की सरकार पर आरोपी की बाँधा कर दी। उन्होंने कहा कि जब केंद्र से झारखण्ड का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये की मांग की तो झारखण्ड के आम लोगों की आवाज दबाने के लिए उन्हें जेल में डाल दिया गया। लेकिन, उन्हें पता नहीं है कि हम झारखण्डी हैं, जो अपना अधिकार लड़कर लेना जानते हैं।

सोरेन ने गुरुवार को बरहंट सोट से नामांकन का पच्ची भारा और इसके बाद तीन सीटों पर जनसभाओं को संबोधित किया। इसके पहले पत्रकारों से बात करते हुए मिलेंगे। उन्होंने कहा कि असम के प्रवासी मुख्यमंत्री लिमत विस्तार समाजी नहीं नहीं, विपक्ष के सभी ताकतवर नेता यहां हैं। ये बौसमी पीछे हैं, ये कुछ दिनों के लिए आए हैं। तमाम प्रवासी मुख्यमंत्री चुनाव के बाद ढूँढने से नहीं भिलेंगे। उन्होंने कहा कि जब केंद्र से झारखण्ड का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ 59 लाख 19 हजार रुपये की अचल संपत्ति थी।

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

पूरे देश में मुख्यमंत्री एकमात्र नेता हैं, जिन्होंने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

भाजपा सरकार बनी तो जेएस-कांग्रेसी सीधीएल घोटाले की होगी सीधीआई जांच

गंदींगां समाजन योजना के नाम पर महिलाओं को ठग देहे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में जिसने पिता का नाम लेकर झूँट बोला

परिक्षा में घोटाले की सीधीआई से जांच कराएंगे। जेएस-कांग्रेस की सरकार में ज



लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व

लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व



लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व

लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व



लोकतंत्र का महापर्व



लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व

लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व



आरक्षण और संविधान पर कोई आंच नहीं आने दूँगा: घिराग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चराग विधानसभा से लोजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान के नामांकन सभा में केंद्रीय मंत्री राजग पासवान दुप हुए। इस दैरान उन्होंने कहा कि मैं अपने पिता स्वर्णीय रामविलास पासवान के संघर्षों की कसम खाकर कहता हूं कि जब तक चिराग पासवान जिन्होंने हैं तब तक आरक्षण और संविधान पर कोई आंच नहीं आने दूँगा। हेमंत सरकार पर निशाना साथे हुए कहा कि जेएमपी कांग्रेस की सरकार ने ज्ञारखंड को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार राज्य के गवर्नरों का पैसा लोट कर रखे हैं। जेएमपी कांग्रेस ने भरने का पैसा लोटकर अपने घरों में भरने का काम कर रखे हैं। जेएमपी कांग्रेस ने राज्य में मोहलाओं को असुरक्षित कर दिया है। बुआओं के पांच लाख नौकरी देने के नामपर पांच सालों तक ठगा। इन्हाँले ज्ञारखंड को



हेमंत सरकार ने ज्ञारखंड की गरीब जनता का पैसा लाटा

भ्राताचार और लूट की सरकार से कांग्रेस की सरकार के दौरान श्री राम मुक्त करने के लिए भाजपा की सरकार लोटा जरूरी है। चिराग पासवान ने कहा कि भाजपा की सरकार देश में भरने का पैसा लोटकर अपने घरों में भरने का काम कर रखे हैं। जेएमपी कांग्रेस ने राज्य में राम मंदिर बनाना। जब केंद्र में राम मंदिर देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिसका लोकप्रिय और श्री राम मंदिर पर्यावरण और सोचा तक नहीं। जिसका प्राण प्रतिष्ठा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने किया।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह घट्ट हो गई है : बाबूलाल मराडी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मराडी ने कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश की हेमंत सरकार पर हालत बोला है। उन्होंने अरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह घट्ट हो गई है। आए दिन हल्त, अपरक्षण की घटायां घट रही हैं। बर्बादी तक सुरक्षित नहीं हैं। सरकार का काम अपराधियों को पिरपत्ता वर जेल में डालना है, लेकिन हेमंत सरकार खुद वस्तुओं में लगी हुई है। गुरुवार को पिरिडी है में नामांकन जनसभा को संबोधित करते हुए मराडी ने कहा कि वहले गांव में सड़क नहीं होती थी। पुल युलिया भी नहीं होते थे। हालात देखकर लगता था कि कभी सड़क या पुल युलिया बरेंग भी या नहीं। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद गांव-गांव तक सड़क बन गई। धर्म धर तक बिजली का विजली पहुंच गई। गांव-गांव तक सड़क और बिजली पहुंचने का काम भाजपा ने किया है। भाजपा जो करती है, उसे पूरा करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प लिया है कि कोई भी गरीब पवकं छत के बिना नहीं रहेगा। सबको पवका मकान दिया जाएगा। एक प्रोत्साहन राशि भी छात्रों के लिए है जो बीए और एमए पास करके रोजगार और नौकरी की तलाश करते हैं, उन्हें भी प्रेक्षक महीना दो वर्षों तक 2000 रुपये



दिये जाएंगे, ताकि बच्चे प्रतियोगिता की तैयारी कर सकें। संवर्ध के समय भाजपा उनका साथ दें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में लाखों सरकारी पद खाली पड़े हैं। हेमंत सरकार ने वादा किया था कि हर साल पर्यावरण रंजन ने अपनी मन की बात राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार से साधा किया। किन परिस्थितियों में राजनीति में आने का भारतीय जनता पार्टी को छोड़ा इन लोकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। एनडीए की सरकार भारतीय नवीन मेल अखबार के संवाददाता राजनीति के साथ बातचीत का अंश-प्रश्न : पुलिस प्रशासनिक सेवा से भाजपा में जने का मन आपका कैसे बना?

लोकतंत्र का महापर्व



लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व

लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व
लोकतंत्र का महापर्व



दाना तूफान से भी ज्यादा खतरनाक है हेमंत सरकार : शिवराज सिंह घोषान

नवीन मेल संवाददाता। रांची केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह घोषान ने कहा कि आज दाना तूफान आ रहा है, ये तूफान तो दो दिन में निकल जाएगा, लेकिन यदि ज्ञारखंड में हेमंत सोरेन सरकार एक बार और आर्द्ध तो, वे ज्ञारखंड को बबांद कर देंगी। उन्होंने रांची में हुई बेटी के बलाकार को लेकर राज्य सरकार को घेरा शिवराज गुरुवार को हरमू मैदान में हटिया विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार नवीन जावस्ताल के नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे।

शिवराज सिंह घोषान ने कहा कि हेमंत सरकार में 7,400 बलाकार हुए हैं। हेमंत सरकार में रेकिन पहाड़िया जैसी बेटियों को काट कर फेंक दिया गया। हेमंत सोरेन की सरकार बतते ही श्री राम भक्तों को भव्य राम पर्यावरण देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिसका लोकप्रिय और श्री राम मंदिर नरेंद्र मोदी जी ने किया।

हेमंत सोरेन को पांच बेटियों के बाबत होता है। और महीने

के राज्य में बांगलादेशी आते हैं, ये बेटियों से शादी करते हैं। और जमाने पर काट कर रहे हैं। और हेमंत सोरेन की सरकार बद्धता करने लायक नहीं है। उन्होंने जनता से सवाल करते ही क्योंकि किसी नौकरी नहीं दी। अपील जब चुनाव नजदीक आया तो सिपाही भर्ती के नाम पर जैजवानों को मरने के लिए दिलत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि

हेमंत सोरेन को नेहरूओं को आपांकित करते हैं।

केवल महामहिम जी की बहू है इसलिए टिकट मिल गया।

प्रश्न : क्या आप चुनाव लड़ेगे

उत्तर : नहीं मैं चुनाव नहीं लड़ा चाहता हूं अब 2029 में ही चुनाव लड़ांगा।

प्रश्न : क्या किसी दल में जाने की इच्छा रखते हैं?

उत्तर : नहीं किसी भी पार्टी में आभी जाने की कोई तकाल इच्छा नहीं है।

प्रश्न : सोशल मीडिया में आपका रिजिन लेटर को लेकर काफी द्वेष के बाबत होता है। वह कैसे समझते हैं?

उत्तर : नहीं किसी भी पार्टी में जाने के बाबत होते हैं कई बड़े नेताओं से शादी करते हैं। जमशेदपुर पश्चिम सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा भी जाने की तरह होती है। उन्होंने कहा है कि आपका विकास का एक बड़ा नेता हो लेकर ज्ञारखंड के लिए नहीं होगा। आज पूरी तरह से अप सूची देखेंगे तो कई ऐसे बड़े नेताओं को जाना होता है। अब वह सीट जदू के खाते में चला गया है हालांकि मैं उसका विरोधी नहीं हूं। मुझे इस बात से दुख है कि जिस प्रकार से सीटों का बंद्वारा किया गया यह गलत तरीके से हुआ। जमशेदपुर पूर्वी में एक ऐसी महिला को टिकट देंदे दिया गया यह गलत बहुत भावाओं की बड़ी भावना नहीं होती। वह किसी को ऐसा लग रहा है। मैं जो लोग किसी पार्टी से जुड़े हुए हूं। हो जाना है कि मैं रेजिन किया गया तो बहुत भावाओं को जांड़ा उन युवाओं का भवित्व क्या होगा वह यह बता सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी में जाने की तरीकी भी जानी चाहिए। अब वह बताएं कि अच्छे से कैसे करना चाहिए।

प्रश्न : आप आपांकित करते हैं।

उत्तर : नहीं किसी भी पार्टी में आभी जाने की कोई तकाल इच्छा नहीं है।

प्रश्न : क्या किसी दल में जाने की इच्छा रखते हैं?

उत्तर : नहीं किसी भी पार्टी में आभी जाने की कोई तकाल इच्छा नहीं है।

प्रश्न : क्या किसी दल में जाने की इच्छा रखते हैं?

उत्तर : नहीं किसी भी पार्टी में आभी जाने की कोई तकाल इच्छा नहीं है।

प्रश्न : क्या किसी दल में जाने की इच्छा रखते हैं?

उत्तर : नहीं किसी भी पार्टी में आभी जाने की कोई तकाल इच्छा नहीं है।

प्रश्न : क्या किसी दल में जाने की इच्छा रखते हैं?

उत्तर : नहीं किसी भी पार्टी में आभी जाने की कोई तकाल इच्छा नहीं है।

प्रश्न : क्या किसी दल में जाने की इच्छ

दीपोत्सव 2024 : 28 लाख दीयों से जगमग होंगे अयोध्या के 55 घाट

एजेंटी | अयोध्या

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस वर्ष अयोध्या का आठवां दीपोत्सव भव्य और दिव्य रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर सर्व नदी के 55 घाटों पर 28 लाख दीयों को प्रज्ञलित कर एक नया विवर रिकॉर्ड बनाने की तैयारी हो रही है। दीपोत्सव की तैयारियों के अंतर्गत डॉ. राममोहन लोहिया अध्यक्ष विश्वविद्यालय ने दीयों और स्वयंसेवकों की संख्या का निर्धारण कर लिया है, जिससे इस अयोजन को सफल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर योजनाबद्ध कार्य हो सके।

अयोजन के तहत सर्व नदी के 55 घाटों पर 28 लाख से अधिक दीये प्रज्ञलित किए जाएंगे। राम की पैदौ, चौथी चरण सिंह घाट और भजन संध्या स्थल सहित अन्य सभी घाटों पर दीयों की घाट सम्बन्धित कोंडों की निरामा में विलाप जाएगा। इसके अलावा, 14 सम्बद्ध महाविद्यालयों, 37 इंटरमीडिएट कॉलेजों और



40 स्वयंसेवी संस्थाओं से लगभग 30,000 स्वयंसेवक इस अयोजन में सक्रिय रूप से घाटों पर दीयों की संख्या और विलाप लेंगे। घाटों पर दीयों की संख्या और विलाप के बाहर स्वयंसेवकों का वितरण फहले ही तय कर लिया गया है। अवधि विश्वविद्यालय ने घाटों पर प्रज्ञलित किए जाने वाले दीयों और तैनात किए जाने वाले स्वयंसेवकों की संख्या का भी विस्तृत अंगूष्ठ जारी किया है। उदाहरण के लिए, 40 स्वयंसेवकों के बाहर से लगभग 30,000 दीयों को जलाने के लिए 765 स्वयंसेवक तैनात होंगे, जबकि घाट वो पर 38,000 दीयों के लिए 447 स्वयंसेवक जिम्मेदारी संभालेंगे।

इसी प्रकार, घाट तीन पर 48,000 दीयों के लिए 565 स्वयंसेवक और घाट चार पर 61,000 दीयों के लिए 718 स्वयंसेवक तैनात होंगे। सभी 55 घाटों पर इसी प्रकार दीयों की संख्या के अनुसार स्वयंसेवकों को वितरण कराया जाएगा। अयोजन में विभिन्न कॉलेजों और संस्थाओं से जुड़े स्वयंसेवक पूरे उत्तराखण के साथ भागीदारी करेंगे और घाटों पर दीयों की उत्तित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। दीपोत्सव के नोडल अधिकारी प्रो. संत शशि भिरु ने बताया कि 30 अक्टूबर को आठवां घाट वाले वाले इस दीपोत्सव की तैयारियों अमें अंतिम चरण में हैं। घाटों पर दीयों की खेप 24 अक्टूबर से घुर्हनी शुरू हो गई है और 25 अक्टूबर से घाटों की घाटों पर विलापन का कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। स्वयंसेवकों का आईकार्ड वितरण भी शुरू हो गया है, जिसमें से 15,000 से अधिक आईकार्ड संस्थानों के पदविकारियों को वितरित किए जा चुके हैं। शुक्रवार तक सभी संस्थानों को आईकार्ड उपलब्ध करा दिया जाएगा।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की

एजेंटी | श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी लखनऊ में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में चल रही परियोजनाओं पर चर्चा की। बैठक में सड़क बुनियादी ढांचे और राजमार्ग मंत्री के विवाह के बाद विवरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने चल रही परियोजनाओं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और भौतिक इलाकों में कनेक्टिविटी में सुधार के उद्देश्य से की जाने वाली परियोजनाओं में तेजी लाने की आवश्यकता व्यक्त की। इस दैशन जम्मू-कश्मीर में परिवहन सुविधाओं में सुधार पर भी विवरण दिया गया।



चर्चा की रही। इस बीच केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय सासित प्रदेश के विकास के बाबत के बारे में केंद्रीय सासित प्रदेश के विकास के बाबत के बारे में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री को आश्वसन दिया। गडकरी ने क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में बुनियादी ढांचे के महत्व पर जारी दिया और चल रही परियोजनाओं के साथ केंद्रीय विवरण दिया।

केंद्र ने 6,798 करोड़ की दो देल परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंटी | नई दिल्ली



256 किमी रेलवे लाइन के दोहरीकरण से उत्तर प्रदेश और बिहार को फायदा होगा

आंध की प्रस्तावित राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी

नई रेल लाइन परियोजना पर्सप्लेन-अमरावती-नंदुरु अंध प्रदेश के एनटीआर विवरावाड़ा और गुरुवार जिलों और तेलंगाना के बिहारी ढांचा और बुनियादी ढांचा और पूर्वोत्तर राज्यों को राजनीतिक संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर पर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को अंध प्रदेश के एनटीआर विवरावाड़ा के बिहारी ढांचे के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयवाचक नियमों के बाहर संपर्क करने के लिए नरकटियांगन-रक्षागोल-सीतामढ़ी-दरभंगा-ओर सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना को फायदा होगा। अंध प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के 8 जिलों के बाहर होगा। इनके अंतर्गत राजधानी अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। विषयव

